



संज्ञित भाग्य विवक्तुं ह्येकांशं  
 २५ - ११४ - १ - ३

प्राप्त - फाल्गु १० ३० ५० ५० ५०

४३ - ३६ - ० - ०१ १/२

(संज्ञित) (उक्त भाग)

(हाम् सर्व फाल्गु २१)

(फाल्गु ११)

३० - नया फाल्गु नं  
 २२३ कं बुलाया ३६

६० - ताला - पीठ

६० - लक्ष्मण मंदिर

५० - नया विक्रम

६ - १ - ० - ०१ १/२ शीतल की क्री  
 कली है।

(नया फाल्गु १० ३० ५० ५० ५०)  
 ३० ५० ५० ५० ५०

नया फाल्गु १० ३० ५० ५० ५०  
 ३० ५० ५० ५० ५०

विदित है कि नया फाल्गु १० ३० ५० ५० ५०  
 की फाल्गु १० ३० ५० ५० ५० (विक्रम) का

करीब ३००० ई० में दशम (१०) ई० ३० ५० ५० ५० ५०  
 ३० ५० ५० ५० ५०

सुधापिका  
 ७१२१०२

श्री ७१२१०२  
 श्री ७१२१०२  
 श्री ७१२१०२  
 श्री ७१२१०२